

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी, भूपालसागर जिला दिनांक 20.06.2024
पीठासीन अधिकारी श्री पुनीत कुमार गलड़ा (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या : 14/2021

दायर दिनांक : 12.07.2021

निर्णय दिनांक : 20.06.2024

उपदान

1. गणेश पिता रामचन्द्र जाट निवासी चौधपुरा तहसील भूपालसागर

प्रार्थी/पत्र

बनाम

1. माधु पिता रामचन्द्र जाट निवासी चौधपुरा तहसील भूपालसागर

अप्रार्थी/पत्र

राजस्व प्रार्थना-पत्र अंतर्गत धारा-251 'ए' राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955

- उपस्थिति : 1. श्री रामलाल गुर्जर, अधिवक्ता प्रार्थी
2. श्री देवीलाल जाट, अधिवक्ता अप्रार्थी

= निर्णय =

वकील प्रार्थी ने एक प्रार्थना-पत्र मध्य-पत्र अंतर्गत धारा 251 ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के तहत विकल्पाध्व अप्रार्थीगण के पेश किया जिसके सक्षित में तथ्य इस प्रकार है कि :

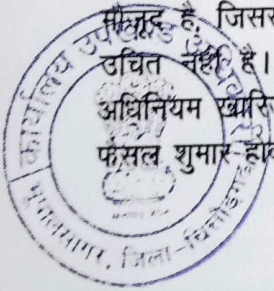
यह है कि प्रार्थी की संयुक्त खातेदारी एवं कब्जे काश्त की आराजियात ग्राम चौधपुरा प.ह. अनामपुरा तहसील भूपालसागर के हल्के बैतनी में स्थित है। जिसके खाला सं. 28 के हाल आराजी नं. 1134 रकबा 0.002 है. किस्म खडडा स्थित है जो प्रार्थी के एवं अप्रार्थी के संयुक्त खातेदारी एवं कब्जे काश्त की आराजियात है, जिसका उपयोग उपभोग अपने हक हिस्से अनुसार करते आ रहे हैं। जिसमें आने जाने हेतु मैं प्रार्थी मेरी आराजी सं. 1130 से होकर अप्रार्थी की आराजी अप्रार्थी माधु के खसरा सं. 1133 की पूर्वी मेड पर होकर उक्त कुएं खडडा पर मैं प्रार्थी कई वर्षों से आ जा रहा हूं एवं इसका उपयोग उपभोग कर रहा हूं मगर अप्रार्थी द्वारा करीब 15 दिन पूर्व उक्त आ.सं. 1133 की चारों ओर लोहे की कांटेदार तार व जाली एवं खम्भे लगाकर प्रार्थी के कुएं खडडा पर आने जाने का रास्ता बिल्कुल बंद कर दिया है इसलिए उक्त रास्ता को राजस्व रिकार्ड में दर्ज कराया जावे। प्रार्थी की आराजियात पर खाली भरी बैलगाड़ी, मवेशी, सज्र सामंद व ट्रैक्टर आदि लाने से जाने व कृषि उपज के बोने एवं कुएं पर मोटर चलाने व अन्य कार्य के लिये उक्त रास्ता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है। प्रार्थी की आराजी में जाने के लिये उक्त रास्ते के अलावा अन्य कोई रास्ता नहीं है तथा अप्रार्थी द्वारा उक्त कदीनी रास्ता को खम्भे व तार जाली लगाकर अवरुद्ध कर दिया जिससे प्रार्थी को अपनी आराजी में खड़ी फसल की देखरेख करने मवेशी, सज्र, सामंद ट्रैक्टर व कुएं पर मोटर चलाने इत्यादि लाने से जाने में परेशानी हो रही है इसके अलावा कोई वैकल्पिक रास्ता नहीं है। इसलिए यह रास्ता पूर्व-अवरुद्ध होने से रास्ता दिखावे जाने वाकत प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन है कि उक्त रास्ता दिखावा अवरुद्ध अप्रार्थी की आराजियात में रास्ता दर्ज कराया जाने का आदेश फरमावे।

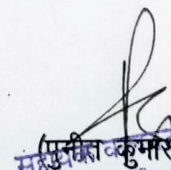
प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षी को जरिये सम्मन तलब किया गया। प्रकरण में वकील प्रार्थी, पीठासीन अप्रार्थी की बहस सुनी। विपक्षी राजपरोक्षकार द्वारा अपनी शीका रिपोर्ट को ही जवाब माना जाने का निवेदन किया। प्रार्थी द्वारा दौरान बहस प्रकरण में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा प्रार्थी की खातेदारी भूमि में आने जाने हेतु रास्ता दिया जाने हेतु निवेदन किया। अधिवक्ता श्री देवीलाल जाट ने अप्रार्थी की ओर जवाब पेश कर जवाब में अंकित किया कि प्रार्थना पत्र की कॉलम सं. 1 में स्थित तथ्य में संयुक्त खातेदार होना स्वीकार है बाकी तथ्य अस्वीकार हैं। आराजियात संयुक्त खातेदारी की है जिसमें आ.सं. 1134 रकबा 0.02 है. किस्म खडडा संयुक्त खातेदारी होकर प्रार्थी गणेश व अप्रार्थी माधु

के नाम दर्ज है उक्त आराजियात कृषि उपयोग उपभोग की नहीं होकर खड्डे के रूप में है जिस पर काश्त किया जाना संभव नहीं है। प्रार्थी क द्वारा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 251 ए का नाजायज फायदा उठाकर अप्रार्थी माधू को हैरान परेशान करने के लिए यह प्रार्थना पत्र पेश किया है। प्रार्थी ना तो उक्त आराजी सं. 1134 पर आता है ना ही उसका कब्जा है और ना ही उपयोग उपभोग में है। केवल खाते में नाम दर्ज होने से यह प्रा. पत्र पेश किया है कानूनन कृषि योग्य भूमि पर कृषि करने के लिए रास्ते की आवश्यकता रहती है जबकि वादग्रस्त आराजियात पर 0.02 है. है जिसमें भी आधा हिस्सा अप्रार्थी माधू का है तथा संयुक्त खातेदार है उस रास्ते पर आने जाने हेतु अप्रार्थी की एकल स्वामित्व कब्जे काश्त की खातेदारी आराजियात को रास्ते के लिए खत्म नहीं की जा सकती यदि अप्रार्थी की खातेदारी आराजियात को रास्ते में तबदील किया जायेगा तो अप्रार्थी को अपार नुकसान होगा। आ.सं. 1134 पर आने जाने हेतु किसी भी प्रकार के आलामात नहीं है खाली भरी बैलगाडी लाने जे जाने ट्रेक्टर कृषि आदि उपकरण लाने ले जाने का प्रश्न ही नहीं उठता, उक्त आराजियात पर कोई कुआं भी नहीं है जिससे मोटर चलाने का प्रश्न ही नहीं उठता। विना बंटवारा किये संयुक्त खातेदारी की आराजियात पर रास्ता कायम नहीं किया जा सकता। प्रार्थना पत्र की कॉलम सं. 2, 3, 4, 5 गलत होने से अस्वीकार है। प्रा. पत्र की कॉलम सं. 6, 7 कानूनी होकर विचारणीय है। अतः जवाब स्वीकार कर कर प्रार्थी का प्रार्थना पत्र मय हर्ज खर्च के खारिज किया जावे।

—:: आदेश ::—

वकील उभयपक्ष की बहस पर मनन कर दस्तावेजों का अवलोकन किया। वकील प्रार्थी द्वारा प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों का दोहरान कर रास्ता दिलाने का निवेदन किया। वकील अप्रार्थी ने निवेदन किया कि आ.सं. 1134 सहखातेदारी भूमि है, प्रार्थी की खातेदारी आ.सं. 1125, 1126, 1132 में वैकल्पिक रास्ता होकर प्रार्थी आ जा रहा है, उक्त आ.सं. 1134 की किस्म खड्डा है चूंकि वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध है, प्रार्थी उस रास्ते से आता जाता है तथा उक्त भूमि खड्डा होने से खड्डे में से रास्ता दिया जाना उचित नहीं है, अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र खारिज किया जावे। अतः वकील उभय पक्ष की बहस पर मनन के पश्चात न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि प्रार्थी के आवागमन हेतु वैकल्पिक रास्ता मौजूद है, जिससे प्रार्थी आवागमन कर रहा है तथा आ.सं. 1134 खड्डा होने से भी रास्ता दिया जाना उचित नहीं है। परिणामस्वरूप प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 (क) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम खारिज किया जाता है। निर्णय दिनांक 20.06.2024 को सरे इजलास सुनाया गया। पत्रावली फाइल नुमां- हाकर नंबर से कम हों




(पुनीत कुमार शर्मा)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी,
भूपालसागर